छोड़ के ना जाओ मोहन हमने तन मन किया अर्पण लिरिक्स

छोड़ के ना जाओ मोहन,
हमने तन मन किया अर्पण।bd।

तर्ज – छोड़ के ना जाओ पिया।

दिल में बसा के,
तुझे अपना बना के,
कहीं दूर जाने दूँ,
अब तुमसे कहना है,
जुदा तुमसे ना होना है,
तुम ही हो मेरे जीवन,
हमने तन मन किया अर्पण।bd।

बंसी बजा के,
मुझे घर पर बुला के,
अब छोड़ जाते कहां,
अब तुमसे कहना है,
जुदा तुमसे ना रहना है,
बंसी भी हो गई कफन,
हमने तन मन किया अर्पण।bd।

छोड़ के ना जाओ मोहन,
हमने तन मन किया अर्पण।bd।

प्रेषक – रोहित द्विवेदी।
7067551601

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com